भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2160
20 दिसम्बर, 2022 को उत्तरार्थ

आदर्श सहकारी गांव

†2160. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:
श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:

क्या **सहकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में गुजरात में आदर्श सहकारी गांव (एमसीवी) शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) आदर्श सहकारी गांव के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ग) क्या देश के किसी अन्य राज्य में ऐसे कोई आदर्श सहकारी ग्राम प्रस्तावित हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) एमसीवी में नाबार्ड की क्या भूमिका है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह)

(क) से (घ): आदर्श सहकारी ग्राम (MCV) कार्यक्रम को संयुक्त रूप से राष्ट्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और गुजरात स्टेट कोऑपरेटिव बैंक (GStCB) लि. द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है । इसका शुभारंभ गुजरात में अहमदाबाद जिले के बावला (Bavla) गांव में दिनांक 10 अप्रैल, 2022 को किया गया । नाबार्ड द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वयन में इस कार्यक्रम को गुजरात के छह चयनित गांवों यथा अड्रोडा एवं रेथल (Adroda & Rethal), अहमदाबाद; अदरज मोती एवं इसनपुर मोता (Adaraj Moti & Isanpur Mota), गांधीनगर; पिपेरो (Pipero), दाहोद और कोलीथाड (Kolithad), राजकोट में भी प्रायोगिक तौर पर चलाया जा रहा है ।

आदर्श सहकारी ग्राम (MCV) कार्यक्रम का लक्ष्य 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के माध्यम से 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करना है । इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार के कम से कम दो सदस्यों को जीवनयापन का अवसर सुनिश्चित करने के लिए एक प्राथमिक कृषि क्रेडिट समिति (पैक्स) केन्द्रित, परिवार अभिमुखी दृष्टिकोण अपनाना है जो प्रत्येक परिवार में प्रति इकाई उत्पादन में वृद्धि को लक्षित करता है । गुजरात में प्रायोगिक परियोजनाओं के अध्ययन के पश्चात्, नाबार्ड द्वारा अन्य राज्यों में इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर विचार किया जाएगा ।

सरकार और अन्य हितधारकों के सभी संभावी पात्र योजनाओं व पहल का संपूर्ण रूप से सुगम उपयोग में नाबार्ड विभिन्न हितधारकों जैसे गुजरात सरकार, सहकारी बैंकों (गुजरात स्टेट कोऑपरेटिव बैंक/ जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक), समुदाय आधारित संगठनों (CBOs), आदि के मध्य समन्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।

*****